IUJ in Press

www.ajhindidaily.com रांची, २७ नवम्बर, २०२४
आज
राजधानी ५

इक्फाई विश्वविद्यालय ने संविधान दिवस मनाया

रांची। संविधान दिवस के सम्मान में, इक्फाई विश्वविद्यालय ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विवादास्पद और विचारोत्तेजक विषय पर एक आकर्षक युवा संसदीय वाद–विवाद की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय की अधिवक्ता किरण सुषमा खोया, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा और कार्यक्रम निदेशक प्रो. (डॉ.) राकेश कुमार धर दुबे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय की अधिवक्ता किरण सुषमा खोया ने भारत में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन से जुड़ी जटिलताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक विचारोत्तेजक भाषण दिया। उन्होंने सभी धर्मों और समुदायों में व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले एक समान कानून के संवैधानिक और कानूनी निहितार्थों पर बात की। उन्होंने छात्रों को न्याय, समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखते हुए देश के बहुलवादी समाज पर यूसीसी के संभावित प्रभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने में संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को याद दिलाया कि देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने में कानून के छात्र और कानूनी पेशेवर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सत्र का संचालन मनीष कुमार महतो ने किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. एम.के. पांडे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

04 खबर मन्त्र रांची, बुधवार 27.11.2024 रांची सिटी

इक्फाई विवि में समान नागरिक संहिता विधेयक पर पहला अंतर-विश्वविद्यालय युवा संसदीय वाद-विवाद आयोजित

न्याय, समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाये रखें : खोया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय में समान नागरिक संहिता विधेयक पर पहला अंतर-विश्वविद्यालय युवा संसदीय वाद-विवाद आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय की अधिवक्ता किरण सुषमा खोया, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) रमन कुमार झा और कार्यक्रम निदेशक प्रो (डॉ) राकेश कुमार धर दुबे उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने भारत में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन से जुड़ी जटिलताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक विचारोत्तेजक बातें कही। उन्होंने सभी धर्मों और समुदायों में व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले एक समान कानून के संवैधानिक और कानूनी निहितार्थों पर बात की। उन्होंने छात्रों को न्याय, समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखते हुए देश के बहुलवादी समाज पर यूसीसी के संभावित प्रभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

संविधान का पालन करने की शपथ दिलायी

वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति ने संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने में संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को याद दिलाया कि देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने में कानून के छात्र और कानूनी पेशेवर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रो धर दुबे ने समकालीन कानूनी मुद्दों से जुड़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संविधान दिवस के अवसर पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विधेयक पर युवा संसदीय बहस पर भी ध्यान केंद्रित किया, जिसमें अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में सूचित बहस और प्रवचन शामिल थे। उन्होंने भारत के संविधान की प्रस्तावना की शपथ लेकर संविधान का पालन करने की शपथ दिलायी।

कार्यक्रम का समापन डॉ एमके पांडे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ आनंद सिंह प्रकाश, उप-आयोजन सचिव एलीशा लकड़ा, संयोजक अमित कुमार और सह-संयोजक अविनाश कुमार भारती के योगदान से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अन्य संकाय सदस्य दिव्या उत्कर्ष, अजय कुमार मोदक और डॉ मृदानिश झा, डॉ रुम्ना भट्टाचार्य और विश्वविद्यालय के छात्र भी मौजूद थे।

सलोनी सर्वश्रेष्ठ वक्ता और अनंत व प्रियल उपविजेता घोषित

दिन का मुख्य आकर्षण युवा संसदीय बहस थी, जहां कानून के छात्रों ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन के पक्ष और विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत करने के लिए मंच संभाला। प्रतिभागियों ने इस मुद्दे के संवैधानिक, सामाजिक और नैतिक आयामों पर जोश से बहस की, धार्मिक स्वतंत्रता, लैंगिक समानता और भारत में व्यक्तिगत कानूनों के दायरे जैसे विषयों पर चर्चा की। इस वाद-विवाद ने न केवल प्रतिभागियों की बौद्धिक कुशाग्रता को उजागर किया, बल्कि भारत के भविष्य को आकार देने में संवैधानिक विचार-विमर्श के महत्व को भी रेखांकित किया। सलोनी शाहदेव को सर्वश्रेष्ठ वक्ता और अनंत कुणाल तथा प्रियल सिंह को उपविजेता घोषित किया गया। सत्र का संचालन मनीष कुमार महतो ने किया।

11
For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com
Morning India
WEDNESDAY, RANCHI, NOVEMBER 27, 2024

ICFAI University Jharkhand Celebrated "Constitution Day"

IN HONOUR of Constitution Day, ICFAI University hosted a captivating Youth Parliamentary Debate on the contentious and thought-provoking topic of the Uniform Civil Code (UCC).

The event was graced by the Chief Guest for the event, Kiran Sushma Khoya, Advocate, Jharkhand High Court, Vice Chancellor of the University, Prof. (Dr.) Raman Kumar Jha and Prof. (Dr.) Rakesh Kumar Dhar Dubey, the Program Director of the event.

The Chief Guest for the event, Kiran Sushma Khoya, Advocate, Jharkhand High Court, delivered a thought-provoking speech, focusing on the complexities surrounding the implementation of the Uniform Civil Code in India. She spoke on the constitutional and legal implications of a uniform law governing personal matters across all religions and communities. She encouraged the students to critically analyze the potential impact of the UCC on the country's pluralistic society while upholding the values of justice, equality, and individual freedom.

Prof. Jha highlighted the significance of Constitution Day in promoting constitutional values and reminded students of the pivotal role that law students and legal professionals play in upholding the nation's democratic principles.

Prof. Dhar Dubey addressed the solemn gathering and he

emphasized the importance of engaging with contemporary legal issues. He also focused on the Youth Parliamentary Debate on the event of Constitution Day, on the Bill of Uniform Civil Code (UCC), through informed debate and discourse in the intra-University Competition. He administered the pledge to adhere to the constitution by taking oath of the preamble of the constitution of India.

The highlight of the day was the Youth Parliamentary Debate, where law students took the stage to present their arguments for and against the implementation of the Uniform Civil Code. Participants passionately debated the constitutional, social, and ethical dimensions of the issue, discussing topics such as religious freedom, gender equality, and the scope of personal laws in India. The debate not only highlighted the intellectual acumen of the participants but also underscored the importance of constitutional deliberation in shaping India's future.

Saloni Shahdeo was declared Best Speaker and Anant Kunal and Priyal Singh were declared Runners-Up. The session was moderated by Manish Kumar Mahto. The event concluded with a vote of thanks from Dr. M. K. Pandey, who expressed gratitude to all dignitaries and participants. The event was successfully organised with the contribution of Organising secretary Dr. Anand Singh Prakash, Deputy Organising Secretary Ms. Elisha Lakra, Convenor Mr. Amit Kumar and Co-Convenor Mr. Avinash Kumar Bharti. Other faculty members Mr. Divya Utkarsh, Mr. Ajay Kumar Modak, and Dr. Mridanish Jha, Dr. Rumna Bhattacharya, and Students of the University were also present during the event.

The ICFAI University continues to demonstrate its commitment to fostering critical thinking and legal scholarship, providing its students with the tools to engage meaningfully with the issues that shape the nation's democratic and legal framework.

पूर्वांचल सूर्य
रांची ➢ बुधवार ➢ 27 नवंबर 2024
झारखंड

इक्फाई विश्वविद्यालय ने संविधान दिवस मनाया

अंतर-विश्वविद्यालय युवा संसदीय वाद-विवाद आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। संविधान दिवस के सम्मान में इक्फाई विश्वविद्यालय ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विवादास्पद और विचारोत्तेजक विषय पर एक आकर्षक युवा संसदीय वाद-विवाद की मेजबानी की।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय की अधिवक्ता किरण सुषमा खोया, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा और कार्यक्रम निदेशक प्रो. (डॉ.) राकेश कुमार धर दुबे उपस्थित थे।

अधिवक्ता किरण सुषमा खोया ने भारत में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन से जुड़ी जटिलताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक विचारोत्तेजक भाषण दिया। उन्होंने सभी धर्मों

उन्होंने छात्रों को न्याय, समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखते हुए देश के बहुलवादी समाज पर यूसीसी के संभावित प्रभाव का संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने में संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को याद दिलाया कि देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने में कानून समकालीन कानूनी मुद्दों से जुड़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संविधान दिवस के अवसर पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विधेयक पर युवा संसदीय के संविधान की प्रस्तावना की शपथ लेकर संविधान का पालन करने की शपथ दिलाई।दिन का मुख्य आकर्षण युवा संसदीय बहस थी, जहां कानून के छात्रों ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन के पक्ष और विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत करने के लिए मंच संभाला। प्रतिभागियों ने इस मुद्दे के संवैधानिक, सामाजिक और नैतिक आयामों पर जोश से बहस की, धार्मिक स्वतंत्रता, लैंगिक समानता और भारत में व्यक्तिगत कानूनों के दायरे जैसे विषयों पर चर्चा की। इस वाद-विवाद ने न केवल प्रतिभागियों की बौद्धिक कुशाग्रता को उजागर किया, बल्कि भारत के भविष्य को आकार देने में संवैधानिक विचार-विमर्श के महत्व को भी रेखांकित किया।सलोनी शाहदेव को सर्वश्रेष्ठ वक्ता और अनंत कुणाल एमके पांडे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. आनंद सिंह प्रकाश, उप-आयोजन सचिव एलीशा लकड़ा, संयोजक अमित कुमार और सह-संयोजक अविनाश कुमार भारती के योगदान से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अन्य संकाय सदस्य दिव्या उत्कर्ष, अजय कुमार मोदक और डॉ. मृदानिश झा, डॉ. रुम्ना भट्टाचार्य और विश्वविद्यालय के छात्र भी मौजूद थे। इक्फ़ाई विश्वविद्यालय आलोचनात्मक सोच और कानूनी विद्वत्ता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता रहता है, तथा अपने विद्यार्थियों को देश के

राष्ट्रीय सागर
विविध
रांची
बुधवार, 27 नवंबर 2024
12
web: rashtriyasagar.com

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने मनाया संविधान दिवस

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : संविधान दिवस के सम्मान में इक्फाई विश्वविद्यालय ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विवादास्पद और विचारोत्तेजक विषय पर एक आकर्षक युवा संसदीय वाद-विवाद की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय की अधिवक्ता किरण सुषमा खोया, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा और कार्यक्रम निदेशक प्रो. (डॉ.) राकेश कुमार धर दुबे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय की अधिवक्ता किरण सुषमा खोया ने भारत में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन से जुड़ी जटिलताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक विचारोत्तेजक भाषण दिया। उन्होंने सभी धर्मों और समुदायों में व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले एक समान कानून के संवैधानिक और कानूनी निहितार्थों पर बात की। उन्होंने छात्रों को न्याय, समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखते हुए देश के बहुलवादी समाज पर यसीसी के संभावित प्रभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने में संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को याद दिलाया कि देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने में कानून के छात्र और कानूनी पेशेवर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रो. धर दुबे ने सभा को संबोधित किया और उन्होंने समकालीन कानूनी मुद्दों से जुड़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संविधान दिवस के अवसर पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विधेयक पर युवा संसदीय बहस पर भी ध्यान केंद्रित किया, जिसमें अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में सूचित बहस और प्रवचन शामिल थे। उन्होंने भारत के संविधान की प्रस्तावना की शपथ लेकर संविधान का पालन करने की शपथ दिलाई। दिन का मुख्य आकर्षण युवा संसदीय बहस थी, जहां कानून के छात्रों ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन के पक्ष और विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत करने के लिए मंच संभाला। प्रतिभागियों ने इस मुद्दे के संवैधानिक, सामाजिक और नैतिक आयामों पर जोश से बहस की, धार्मिक स्वतंत्रता, लैंगिक समानता और भारत में व्यक्तिगत कानूनों के दायरे जैसे विषयों पर चर्चा की। इस वाद-विवाद ने न केवल प्रतिभागियों की बौद्धिक कुशाग्रता को उजागर किया, बल्कि भारत के भविष्य को आकार देने में संवैधानिक विचार-विमर्श के महत्व को भी रेखांकित किया। सलोनी शाहदेव को सर्वश्रेष्ठ वक्ता और अनंत कुणाल तथा प्रियल सिंह को उपविजेता घोषित किया गया। सत्र का संचालन मनीष कुमार महतो ने किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. एम.के. पांडे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. आनंद सिंह प्रकाश, उप-आयोजन सचिव एलीशा लकड़ा, संयोजक अमित कुमार और सह-संयोजक श्री अविनाश कुमार भारती के योगदान से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अन्य संकाय सदस्य दिव्या उत्कर्ष, अजय कुमार मोदक और डॉ. मृदानिश झा, डॉ. रुम्ना भट्टाचार्य और विश्वविद्यालय के छात्र भी मौजूद थे। इक्फाई विश्वविद्यालय आलोचनात्मक सोच और कानूनी विद्वत्ता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता रहता है, तथा अपने विद्यार्थियों को देश के लोकतांत्रिक और कानूनी ढांचे को आकार देने वाले मुद्दों पर सार्थक रूप से संलग्न होने के लिए उपकरण प्रदान करता है।

कर।

इक्फाई विश्वविद्यालय ने यूनिसेफ के साथ मिलकर जागरूकता सत्र आयोजित किया

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने यूनिसेफ के साथ मिलकर युवा जुड़ाव, बाल अधिकार और जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ. कनिनिका मित्रा और यूनिसेफ झारखंड की टीम का स्वागत किया। उन्होंने यूनिसेफ के कामकाज के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से शहर में कूड़े के ढेर को साफ करने के लिए ब्लैक सोल्जर फ्लाई प्रोजेक्ट÷ का इस्तेमाल किया जा सकता है।

कार्यक्रम की शुरुआत रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जे.बी. पटनायक के स्वागत भाषण से हुई।

यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ. कनिनिका मित्रा ने बच्चों के अधिकार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्रों को प्रेरित किया। यूनिसेफ झारखंड की संचार विशेषज्ञ सुश्री आस्था अलंग ने युवा सहभागिता और बाल अधिकार पर जानकारी दी।

डीन (छात्र कल्याण) डॉ. एस. चौधरी ने यूनिसेफ की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ऋषि कुमार श्रीवास्तव, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रमुख ने बताया कि यूनिसेफ झारखंड और विश्वविद्यालय बहुत जल्द ही एक सहयोग पर काम करने जा रहे हैं। कार्यक्रम में यूनिसेफ की ओर से श्री कुमार प्रेमचंद और सुश्री देबांजलि मंडल भी मौजूद थीं। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।.

इक्फाई विवि का यूनिसेफ के साथ मिलकर युवा जुड़ाव, बाल अधिकार और जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता सत्र आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने यूनिसेफ के साथ मिलकर युवा जुड़ाव, बाल अधिकार और जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ. कनिनिका मित्रा और यूनिसेफ झारखंड की टीम का स्वागत किया। उन्होंने यूनिसेफ के कामकाज के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से शहर में कूड़े के ढेर को साफ करने के लिए ब्लैक सोल्जर फ्लाई प्रोजेक्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जे.बी. पटनायक के स्वागत भाषण से हुई। यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ. कनिनिका मित्रा ने बच्चों के अधिकार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्रों को प्रेरित किया। यूनिसेफ झारखंड की संचार विशेषज्ञ आस्था अलंग ने युवा सहभागिता और बाल अधिकार पर जानकारी दी। डीन (छात्र कल्याण) डॉ. एस. चौधरी ने यूनिसेफ की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ऋषि कुमार श्रीवास्तव, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रमुख ने बताया कि यूनिसेफ झारखंड और विश्वविद्यालय बहुत जल्द ही एक सहयोग पर काम करने जा रहे हैं। कार्यक्रम में यूनिसेफ की ओर से कुमार प्रेमचंद और सुश्री देबांजलि मंडल भी मौजूद थीं। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।